पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

के0पी0 सक्सेना व्यंग्य सम्मान समारोह में डा॔0 गोविन्द व्यास व युवा व्यंग्यकार, श्री अनूपमणि त्रिपाठी सम्मानित

हिन्दी में ताकत है और उर्दू में नजाकत है - राज्यपाल

लखनऊः 13 अप्रैल, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में के0पी0 सक्सेना स्मारक समिति, बिम्ब कला केन्द्र एवं लक्ष्य युवा रंगमंच के तत्वाधान में आयोजित के0पी0 सक्सेना व्यंग्य सम्मान समारोह में डा॔0 गोविन्द व्यास व युवा व्यंग्यकार, श्री अनूपमणि त्रिपाठी को सम्मान पत्र, अंग वस्त्र एवं स्मृमि चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के अध्यक्ष, श्री उदय प्रताप सिंह व महापौर लखनऊ, डा॔0 दिनेश शर्मा, साहित्यकार, श्री गोपाल चतुर्वेदी, बृजभूषण जिंदल सहित अन्य साहित्य प्रेमीजन उपस्थित थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्व0 के0पी0 सक्सेना के चित्र पर माल्यापण करके अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

राज्यपाल ने सम्मान समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्व0 के0पी0 सक्सेना से उनकी व्यक्तिगत भेंट तो नहीं हुयी पर उनके बारे में सुनकर लगा कि वे अप्रतिम व्यक्ति थे जो सहजता से अपनी बात कहते थे। हिन्दी-उर्दू को मिलाकर वे अपनी बात आम लोगों तक पहुँचाने में सक्षम थे। व्यंग्य के माध्यम से कहना मुश्किल होता है। व्यंग्य वास्तव में बहुत प्रभावी होता है और व्यंग्य में अपनी बात व्यक्त करने की अद्भुत ताकत होती है। हिन्दी के बाद उर्दू सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। हिन्दी-उर्दू के सुयोग मिश्रण से भारत की एकता को लाभ मिल सकता है। ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से जो साहित्य का निर्माण होता है उससे समाज की बौद्धिक क्षमता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि हिन्दी में ताकत है और उर्दू में नजाकत है।

श्री नाईक ने कहा कि लखनऊ की विशेषता है कि रोज कोई न कोई साहित्य और कला से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित होता रहता है। यहाँ के लोगों में साहित्य एवं कला के प्रति बहुत रूचि है। युवाओं को साहित्य से जोड़कर देश की मुख्यधारा में जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जीवन में कला और साहित्य को साथ लेकर चलने की जरूरत है।

अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि स्व0 के0पी0 सक्सेना के साथ रहने का उन्हें गौरव हासिल है। पदम्श्री के0पी0 जिन्दादिल आदमी थे। सरल भाषा में कहना और आम आदमी तक पहुँचना उनकी विशेषता रही है। के0पी0 ने हिन्दी और उर्दू का अंतर मिटाया। उन्होंने कहा कि आज भाषाओं के बीच अलगाव नहीं मिलाप की बात करने की जरूरत है।

डा॔0 दिनेश शर्मा, महापौर ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व0 के0पी0 सक्सेना अद्भुत व्यक्ति थे। अपनी बात रखने का उनका अंदाज निराला था। उन्होंने कहा कि वे वास्तव में अभिभावक का रूप लगते थे।

इस अवसर पर स्व0 के0पी0 सक्सेना की कविताएं पढ़कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी तथा वरिष्ठ साहित्यकार, श्री गोपाल चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

'के.पी. सक्सेना स्मारक समिति', बिम्ब कला केन्द्र एवं लक्ष्य युवा संगम
के संयुक्त तत्वाधान में
अमर व्यंग्यकार पद्म श्री के.पी. सक्सेना की स्मृति में
उनके 84 वें जन्म दिन के अवसर पर
द्वितीय के.पी. सक्सेना व्यंग्य सम्मान समारोह
एवं के. पी सक्सेना द्वारा रचित हास्य नाटक
13 अप्रैल 2015
ब्रज भूषण जिन्दल
उदय प्रताप सिंह
मा.श्री राज्यपाल

अमर व्यंग्यकार पद्मश्री के.पी. सक्सेना की स्मृति में
द्वितीय के.पी. सक्सेना व्यंग्य सम्मान समारोह